






कृपया अपनी बाईबल के हर एक वचन को ध्यान से और पूरी तरह से पढ़ें।


ज्यादातर वचन अंग्रेजी की किंग्स जेम्स वर्शन की बाईबल से लिए गए हैं।


आइये आज हम नर्क के बारे में अध्ययन करें!
आत्मा के बारे में अध्ययन करने के बाद और यह जानने के बाद कि मृत्यु के बाद आत्मा का कोई अस्तित्व या जीवन नहीं है, आइये आज हम नर्क के बारे में अध्ययन करें और जानें कि वह क्या है!


 आमतौर पर सभी धर्मों में नर्क को दण्ड का एक अग्निमय स्थान माना जाता है जहाँ अमर, न मरने वाली आत्माओं को अनन्तकाल तक यातनाएँ दी जाती हैं।


तेरा वचन सत्य है  तेरा वचन सत्य है  तेरा वचन सत्य है

For more studies on other subjects Contact: Christ Kingdom E-mail:
thekingdomgospel2874@gmail.com
E-mail: thekingdom1_6@yahoo.com

 यह माना जाता है कि यह परमेश्वर का एक प्रबन्ध है और परमेश्वर के द्वारा रचा गया है।


 यह भी माना जाता है कि शैतान "नर्क का रखवाला" है और किसी न किसी तरह शैतान न केवल अग्नि - प्रतिरोधक है बल्कि वह अपने घर नर्क में बहुत आराम से है!


 यह सब अत्यन्त चित्रित रूप से कई "भगवान के जनों" के द्वारा वर्णित किया गया है जिन्होंने यह सब किताबों, पुस्तकों और पत्रिकाओं में यह दावा करते हुए दर्ज किया है कि उन्होंने नर्क को "दर्शन" में देखा है या "आत्मा में" नर्क का दौरा किया है।

 यहाँ तक की "स्वर्ग के द्वार और नर्क की लपटें" एक अत्यन्त लोकप्रिय विडिओ है।



और हाल ही में एक पादरी ने एक ऑडियो कैसेट जारी किया - जिसे "नर्क की आवाज़" कहा गया था, जिसे साइबेरिया की गहरी खानों में दर्ज किया गया था, जिसमें हज़ारों के यातनाओं की आवाज़ें थी और इसे नर्क में उत्पीड़ित आत्माओं की आवाज़ होने का दावा किया गया था। उस पादरी ने यह भी कहा कि -- "अगर आप मुझ पर विश्वास नहीं करते, तो मरकर खुद देख लो"!

क्या यह सब सच है? क्या परमेश्वर के वचन यह सब सिखाते हैं?-

 इस मामले की छान -बीन करने के लिए वचनों में जाने से पहले, यहाँ एक अदालत में हुई छोटी सी घटना है -

 दो लोग अदालत में बैठकर एक घर के चोर के द्वारा की गई ज़ेवर की डकैती के मुकदमे की सुनवाई में गवाही दे रहे थे।

एक की राय थी कि उसे मरने तक "फाँसी" पर लटकाने का दण्ड दिया जाए!

तेरा वचन सत्य है  तेरा वचन सत्य है  तेरा वचन सत्य है

For more studies on other subjects Contact: Christ Kingdom E-mail:
thekingdomgospel2874@gmail.com
 E-mail: thekingdom1_6@yahoo.com

लेकिन दूसरे ने तुरन्त उत्तर दिया - "क्या तुम पागल हो, यह अन्याय होगा! आखिर उसने केवल डकैती की है -- हत्या नहीं!"

लेकिन पहले ने कहा "नहीं! यदि ऐसा दण्ड दिया गया तो यह बाकी के ऐसे चोरों के लिए एक चेतावनी होगी। तब वे निरुत्साहित हो जाएंगे"।

तब दूसरे ने उत्तर दिया "ऐसा हो सकता है" "लेकिन किसी को भी न्यायपूर्ण दण्ड देना चाहिए"!!



यह महज लोगों के बीच की समझदारी है - अपरिपूर्ण पापी मनुष्य!



परमेश्वर और पाप के लिए उनके दण्ड के बारे में क्या?



क्या वे पाप के लिए एक न्यायपूर्ण दण्ड नहीं देंगे?



क्या परमेश्वर न्यायी नहीं है?

हम यह पढ़ते हैं कि न्याय उनके सिंहासन का "आधार" है -



भजन संहिता (Psalms) 89:14 "तेरे सिंहासन का मूल, धर्म और न्याय है; करुणा और सच्चाई तेरे आगे आगे चलती है।"



तो मनुष्यों के पापों के लिए न्यायपूर्वक दण्ड क्या होगा, --

यह सब मानते हैं कि मानवजाति पापी है

और पाप का दण्ड अवश्य मिलना चाहिए।

लेकिन मनुष्यों के पापों के लिए न्यायपूर्वक दण्ड क्या है?

आइये हम देखें --

तेरा वचन सत्य है  तेरा वचन सत्य है  तेरा वचन सत्य है

For more studies on other subjects Contact: Christ Kingdom E-mail:

thekingdomgospel2874@gmail.com

E-mail: thekingdom1_6@yahoo.com



सबसे पहले “हेल” (Hell) एक अंग्रेजी शब्द है



तमिल में इसे "नरगम" कहते हैं



कन्नडा में इसे "नरका" कहते हैं



हिन्दी में इसे “नर्क” और उर्दू में इसे “दोज़ख” कहते हैं।

अंग्रेजी के शब्द हेल (Hell) का मूल अर्थ था “छुपाना” (to hide) या “ढकना” (to cover) (किसी पुराने शब्दकोष में देखें)

ध्यान दें: श्रिष्ठ 3 में अंग्रेजी शब्दकोष का पन्ना जोड़ा गया है।

यूरोप में किसान आम तौर पर कहेंगे -

“I must hell my potatoes”



“मुझे अपने आलू को नर्क करना चाहिए”: जैसे कि उन्हें जमीन में गाड़ना।



या “मुझे अपना घर नर्क करना चाहिए”: जैसे की छत को छाजन और घास के साथ ढकना!

लेकिन आज नर्क शब्द का पूरी तरह से अलग अर्थ है,

इसका अर्थ है "यातना का स्थान"।

आइये अब हम बाईबल में नर्क की सच्चाई देखें --

अंग्रेजी बाईबल में 4 शब्दों का अनुवाद नर्क के रूप में किया गया है।



वे एक यहूदी भाषा के शब्द और तीन यूनानी (Greek) भाषा के शब्द हैं।

पुराना नियम (Old Testament)



(यहूदी भाषा)→ Hebrew Language→



शिओल (Sheol)

नया नियम (New Testament)


(यूनानी भाषा)→ Greek Language→

तेरा वचन सत्य है  तेरा वचन सत्य है  तेरा वचन सत्य है


For more studies on other subjects Contact: Christ Kingdom E-mail:

thekingdomgospel2874@gmail.com


E-mail: thekingdom1_6@yahoo.com


 हेडिज़ (Hades)


 तारतरू (Tartaroo)

 गिहेन (Gehenna)

इन शब्दों के अर्थ का अध्ययन, बाईबल में नर्क की सच्चाई को प्रकट करेगा!

 अंग्रेजी का हेल (Hell) शब्द (नर्क) बाईबल में 53 बार दिखाई देता है।

 पुराने नियम में यह 31 बार दिखता है

 .. और नए नियम में यह 22 बार दिखता है
आइये अब हम पहले पुराने नियम का अध्ययन करें -


शीओल [SHEOL] (31 बार)

अंग्रेजी में जिस यहूदी शब्द का अनुवाद हेल (Hell) (नर्क) किया गया है वह यहूदी शब्द शीओल (SHEOL) है।



पुराने नियम में यह शीओल (SHEOL) शब्द कुल 65 बार दिखाई देता है!!

 31 बार इसका अनुवाद नर्क (HELL) के रूप में किया गया है

 31 बार इसका अनुवाद अधोलोक (GRAVE) के रूप में किया गया है

 3 बार इसका अनुवाद कब्र (PIT) के रूप में किया गया है
जी हाँ! कुल मिलाकर 65 बार

क्या यह विचित्र नहीं है? तो शीओल (SHEOL) का असली अर्थ क्या है?
और इस एक शब्द के लिए दिए गए अर्थ में इतना स्पष्ट अन्तर क्यों है?

तेरा वचन सत्य है  तेरा वचन सत्य है  तेरा वचन सत्य है

For more studies on other subjects Contact: Christ Kingdom E-mail:
thekingdomgospel2874@gmail.com
E-mail: thekingdom1_6@yahoo.com

इस विषय को बेहतर समझने के लिए आइये हम कुछ वचनों को देखें जिनमे शीओल (SHEOL) शब्द दिखाई देता है।

आइये हम देखें -

भजन संहिता (Psalms) 9:17 “दुष्ट अधोलोक में लौट जाएंगे, तथा वे सब जातियां भी जा परमेश्वर को भूल जाती है।”

कोई केवल किसी स्थान पर तभी “लौट सकता है” जब वह उस स्थान पर पहले ही गया हो।

इस प्रकार, यह लगता है कि 'दुष्ट' नर्क में वापस लौट रहे हैं, जहाँ से वे एक बार बाहर आ गए हों! केवल फिर से वापस जाने के लिए!!

इसका मतलब क्या है?

“शीओल” (sheol) शब्द का अंग्रेजी के किंग्स जेम्स वर्शन में 'नर्क' (hell) के रूप में अनुवाद किया गया है और न्यू इंटरनेशनल वर्शन में 'अधोलोक' (grave) के रूप में अनुवाद किया गया है।



क्या “नर्क” और “अधोलोक” दोनों का अर्थ एक ही है?

क्या हमें इस निष्कर्ष पर आना चाहिए...??

आइये हम एक और वचन को देखें --



उत्पत्ति (Genesis) 37:35 “और उसके सब बेटे-बेटियों ने उसको शान्ति देने का यत्न किया; पर उसको शान्ति न मिली; और वह यही कहता रहा, मैं तो विलाप करता हुआ अपने पुत्र के पास अधोलोक में उतर जाऊंगा। इस प्रकार उसका पिता उसके लिये रोता ही रहा।”

जी हाँ! यहाँ 'अधोलोक' शब्द यहूदी शब्द 'शीओल' का अनुवाद है।

पिछले वचन में जैसा की हमने देखा है कि अंग्रेजी बाईबल में 'शीओल' शब्द के लिए पुराने नियम में 'नर्क' और 'अधोलोक' दोनों शब्दों का प्रयोग किया गया है।

तो, 'नर्क' का असली अर्थ क्या है?

सम्भवतः हम 'नर्क' शब्द के अर्थ की पुष्टि यहूदी शब्द 'शीओल' से कर सकते हैं, एक दूसरे वचन को देखकर जहाँ पर इस 'शीओल' शब्द का प्रयोग किया गया है।

तेरा वचन सत्य है  तेरा वचन सत्य है  तेरा वचन सत्य है

For more studies on other subjects Contact: Christ Kingdom E-mail:

thekingdomgospel2874@gmail.com

E-mail: thekingdom1_6@yahoo.com

यशायाह (Isaiah) 38:18 “क्योंकि अधोलोक (SHEOL) तेरा धन्यवाद नहीं कर सकता, न मृत्यु तेरी स्तुति कर सकती है; जो कब्र में पड़े वे तेरी सच्चाई की आशा नहीं रख सकते”

जी हाँ! इस वचन में "शिओल" शब्द का अनुवाद 'अधोलोक' और 'मृत्यु की अवस्था' और 'कब्र' भी किया गया है। इस प्रकार से इस "शिओल" शब्द का मतलब क्या है -- जिसे हमने देखा कि 31 बार "हेल (HELL)" यानि नर्क में अनुवाद किया गया है।

इसका मतलब है -- अधोलोक या कब्र या दफ़नाने की "छिपी हुई स्थिति"!

इस शब्द का कोई भी ऐसा मतलब नहीं है जो धधकती हुई आग या उस विचार से कोई मेल रखता हो!!

बल्कि इसका मतलब उल्टा है, जैसा की हम पुराने नियम के कुछ वचनों में देखेंगे जहाँ "शिओल" शब्द का प्रयोग किया गया है -



शिओल या नर्क एक “अन्धकार” की अवस्था है, जैसा कि हम अय्यूब (Job) 10:21 “इस से पहिले कि मैं वहां जाऊं, जहां से फिर न लौटूंगा, अर्थात अन्धियारे और घोर अन्धकार के देश में, जहां अन्धकार ही अन्धकार है;” वचन में पढ़ते हैं -





करहाने और चिल्लाने के बजाए नर्क या शिओल का वर्णन एक 'चुपचाप' स्थान के रूप में किया गया है -

भजन संहिता (Psalms) 115:17 “मृतक जितने चुपचाप पड़े हैं, वे तो याह की स्तुति नहीं कर सकते”



पछतावे या दुःख के बजाए नर्क या शिओल का वर्णन 'भूल जाने' वाली जगह या अवस्था के रूप में किया गया है -

तेरा वचन सत्य है  तेरा वचन सत्य है  तेरा वचन सत्य है

For more studies on other subjects Contact: Christ Kingdom E-mail:
thekingdomgospel2874@gmail.com
 E-mail: thekingdom1_6@yahoo.com

भजन संहिता (Psalms) 88:11, 12 “क्या कबर में तेरी करुणा का, और विनाश की दशा में तेरी सच्चाई का वर्णन किया जाएगा? क्या तेरे अदभुत काम अन्धकार में, वा तेरा धर्म विश्वासघात की दशा में जाना जाएगा?”



नर्क या शिओल “अनस्तित्व” की एक जगह है -

सभोपदेशक (Ecclesiastes) 9:10 “जो काम तुझे मिले उसे अपनी शक्ति भर करना, क्योंकि अधोलोक में जहां तू जाने वाला है, न काम न युक्ति न ज्ञान और न बुद्धि है॥”



इस प्रकार से नर्क या शिओल 'एक मृत्यु की अवस्था' को छोड़ कर कुछ भी नहीं।



इसलिए पुराने नियम में नर्क का मतलब केवल मृत्यु की अवस्था या अधोलोक या कब्र है।





सभी कब्रिस्तानों पर नर्क का बोर्ड लगा देना उचित होगा क्योंकि बाईबल के पुराने नियम के अनुसार शिओल या नर्क का सही मतलब मृत्यु की अवस्था या कब्र है।

आइए अब हम उन तीन शब्दों के बारे में पढ़ते हैं जिनका अनुवाद हेल (HELL) या “नर्क”, नए नियम में किया गया है --

पहला ग्रीक या यूनानी शब्द है -

1 हैडिस (HADES) 9 बार

यह इब्रानी शब्द “शिओल” के बराबर का शब्द है, ग्रीक या यूनानी भाषा में जिसका मतलब कब्र है।

तेरा वचन सत्य है  तेरा वचन सत्य है  तेरा वचन सत्य है

For more studies on other subjects Contact: Christ Kingdom E-mail:

thekingdomgospel2874@gmail.com

E-mail: thekingdom1_6@yahoo.com



नए या पुराने नियम में जहाँ भी 'नर्क' या कब्र शब्द आता है, उसके लिए इब्रानी भाषा में "शिओल" (पुराने नियम के अनुसार) और "हैडिस" (HADES) (नए नियम में) का उपयोग किया गया है।

भजन संहिता (Psalms) 16:10 "क्योंकि तू मेरे प्राण को अधोलोक में न छोड़ेगा, न अपने पवित्र भक्त को सड़ने देगा॥"

प्रेरितों के काम (Acts) 2:27 "क्योंकि तू मेरे प्राणों को अधोलोक में न छोड़ेगा; और न अपने पवित्र जन को सड़ने ही देगा!"

क्या आपने देखा? हालांकि भाषा के परिवर्तन के साथ शब्दों का परिवर्तन हुआ है, लेकिन मूल अर्थ एक समान रहता है!

बस जैसे हिन्दी में 'पानी' शब्द को अंग्रेजी में 'वाटर' और फ्रेंच में 'इऑक्स' और पुर्तगाली में 'अगुआ' और तमिल में 'तनिर' कहते हैं।

पर क्या भाषा के परिवर्तन से पानी का तत्व बदल जाता है?
निश्चित नहीं!





ठीक वैसे ही यहाँ, 'हैडिस' के अर्थ के साथ भी है।

हम तो ये भी पढ़ते हैं कि यीशु भी अधोलोक/नर्क गए थे।

इसके बारे में हम

प्रेरितों के काम (Acts) 2:31 "उस ने होनहार को पहिले ही से देखकर मसीह के जी उठने के विषय में भविष्यद्वाणी की कि न तो उसका प्राण (SOUL) अधोलोक (HELL/HADES) में छोड़ा गया, और न उस की देह सड़ने पाई।"

वचन में पढ़ते हैं ----

तेरा वचन सत्य है  तेरा वचन सत्य है  तेरा वचन सत्य है

For more studies on other subjects Contact: Christ Kingdom E-mail:
thekingdomgospel2874@gmail.com
E-mail: thekingdom1_6@yahoo.com

जी हाँ! यीशु भी तीन दिन की अवधी के लिए अधोलोक / नर्क या 'हैडिस' में नीचे गए थे।

रविवार को उनका पुनरुत्थान होने तक वे "मृत्यु की स्थिति" या कब्र में तीन दिनों के लिए मृत थे।

ज़रा कल्पना करें! यदि नर्क या "हैडिस" एक ताड़ना की जगह होती, तो यीशु को भी वैसी ताड़ना की जगह में जाना पड़ता!



लेकिन नहीं!

सत्य बहुत सरल है!

यीशु भी अधोलोक / नर्क या 'हैडिस' या "मृत्यु की स्थिति" में तीन दिनों की अवधी के लिए गए थे।

वचन कहते हैं ---

“... उसका प्राण (SOUL) अधोलोक (HELL/HADES) में न छोड़ा गया ...”

यह 'न छोड़ा गया' बाकि की मानवजाति की स्थिति को सूचित करता है, जिन्हें यीशु के दोबारा आने तक नर्क में “छोड़ा” गया है।

जी हाँ! यीशु को उनका पुनरुत्थान केवल तीन दिनों में मिल गया, जबकि मानवजाति को उनका पुनरुत्थान प्राप्त करने के लिए यीशु के दूसरे आगमन तक प्रतीक्षा करनी होगी!! यीशु आगे ये कहते हैं कि उनके पास मृत्यु (DEATH) और अधोलोक / नर्क (हैडिस) की कुंजियाँ (चाबियाँ) हैं।



इसका क्या मतलब है? आइये हम

प्रकाशितवाक्य (Revelation) 1:18 “मैं मर गया था, और अब देख; मैं युगानुयुग जीवता हूँ; और मृत्यु और अधोलोक की कुंजियाँ मेरे ही पास हैं।”



वचन में पढ़ें -

हम जानते हैं कि यह चिन्ह वाली भाषा है और “कुंजियाँ” उसे दर्शाती है जो दरवाजे को खोलती है और इस वचन में वह “अवसर के दरवाजे” को दर्शाती है और कुंजियों को “प्राप्त” करना अधिकार पाने को दर्शाता है।



तो ये “कुंजियाँ” क्या है जिनके बारे में यीशु बताते हैं?

और “मृत्यु और अधोलोक” क्या दर्शाते हैं?

तेरा वचन सत्य है  तेरा वचन सत्य है  तेरा वचन सत्य है

For more studies on other subjects Contact: Christ Kingdom E-mail:

thekingdomgospel2874@gmail.com

E-mail: thekingdom1_6@yahoo.com



क्या इन दोनों शब्दों का मतलब एक समान नहीं?

इसका उत्तर ना है!

हम देखते हैं कि इस मामले के मतलब को यीशु ने लूका (Luke) 9:60 वचनों में दर्शाया है -

“...मरे हुआँ को अपने मुर्दे गाड़ने दे...”

जी हाँ! यहाँ, "मरे हुआँ" और 'अपने मुर्दे' आदम के परिवार और उसकी स्थिति को दर्शाता है -

कुछ लोग पहले ही मर चुके हैं और बाकि के लोग मृत्युदण्ड की अवस्था में हैं लेकिन अभी जी रहे हैं।

ये मरे हुए या निर्जीव 'मुर्दे' हैं और जीवित "मरे हुए" हैं।

इस प्रकार यीशु की कुंजियाँ हैं -



कुंजी



मृत्यु - संसार के जीवित "मरे हुआँ" पर अधिकार।



कुंजी



नर्क / अधोलोक (हैडिस) - कब्र के जेलखाने के ऊपर अधिकार -- पूरी मानवजाति के निर्जीव "मुर्दे"।

जी हाँ! यीशु ने परमेश्वर से मृत्युदण्ड को जीवित और मृतक मुर्दों, दोनों पर से हटाने का अधिकार अपने दूसरे आगमन में प्राप्त किया है।

इसकी पुष्टि

प्रेरितों के काम (Acts) 10:42 “और उसने हमें आज्ञा दी, कि लोगों में प्रचार करो; और गवाही दो, कि यह वही है; जिसे परमेश्वर ने जीवितों और मरे हुआँ का न्यायी ठहराया है।” वचन में की गई है जहाँ हम पढ़ते हैं -

आइये अब हम एक नगर के बारे में पढ़ें जो कि नर्क में जाता है! -

जी हाँ! इसके बारे में हम-

तेरा वचन सत्य है  तेरा वचन सत्य है  तेरा वचन सत्य है

For more studies on other subjects Contact: Christ Kingdom E-mail:

thekingdomgospel2874@gmail.com

E-mail: thekingdom1_6@yahoo.com

मत्ती (Matthew) 11:23 “और हे कफरनहूम, क्या तू स्वर्ग तक ऊंचा किया जाएगा? तू तो अधोलोक तक नीचे जाएगा; जो सामर्थ के काम तुझ में किए गए हैं, यदि सदोम में किए जाते, तो वह आज तक बना रहता।”

वचन में पढ़ते हैं -

जी हाँ! यहाँ हम देखते हैं कि कफरनहूम नामक एक नगर अधोलोक / नर्क या हैडिस को जाता है।



कफरनहूम को क्या हुआ था?

कफरनहूम इतनी पूरी तरह से दफन हो गया था कि आज तक भी पुरातत्ववेत्ता खोये हुए नगर कफरनहूम का पत्ता नहीं लगा पाए हैं!!



तो हम देखते हैं कि "हैडिस" शब्द से अनुवादित HELL/ नर्क / अधोलोक का सरलता से मतलब वही है जो कि इब्रानी भाषा के शिओल शब्द का है -- "मृत्यु की अवस्था" या कब्र में गाढ़े जाने की स्थिति।

आइये अब हम एक दिलचस्प मामले को

प्रकाशितवाक्य (Revelation) 20:13, 14 “और समुद्र ने उन मरे हुआँ को जो उस में थे दे दिया, और मृत्यु और अधोलोक ने उन मरे हुआँ को जो उन में थे दे दिया; और उन में से हर एक के कामों के अनुसार उन का न्याय किया गया। और मृत्यु और अधोलोक भी आग की झील में डाले गए; यह आग की झील तो दूसरी मृत्यु है।”

वचनों में पढ़ें -





यहाँ “नर्क” या अधोलोक के लिए कहा जाता है कि “अधोलोक ने उन मरे हुआँ को जो उनमें थे दे दिया;”

इस प्रकार पवित्रशास्त्र हमें यह सिखाता है कि **सभी** जो नर्क / अधोलोक में हैं, वे बाहर आ जाएंगे! और उसके बाद क्या?

हम 14 वें वचन में पढ़ते हैं -

“मृत्यु और अधोलोक भी आग की झील में डाले गए”

जी हाँ! नर्क / अधोलोक सभी मानव मृतकों से खुद को खाली करने के बाद 'एक आग की झील' में नष्ट की जायेगी!

तेरा वचन सत्य है  तेरा वचन सत्य है  तेरा वचन सत्य है

For more studies on other subjects Contact: Christ Kingdom E-mail:

thekingdomgospel2874@gmail.com

E-mail: thekingdom1_6@yahoo.com



यह कैसे सम्भव है?

ठीक है! यह इशारे वाली भाषा है! याद रखें, यह प्राकिशतवाक्य की पुस्तक है!

यह सब के जी उठने या पुनरुत्थान होने के द्वारा 'मृत्यु की स्थिति' के अन्त या विनाश के बारे में बता रहा है।

प्रेरितों के काम (Acts) 24:15 "और परमेश्वर से आशा रखता हूँ जो वे आप भी रखते हैं, कि धर्मी और अधर्मी दोनों का जी उठना होगा।"

"नर्क" या कब्र या मृतक की स्थिति का विनाश होने वाला है जब "मसीही में सब जिलाये जाएंगे"

1 कुरिन्थियों (1 Corinthians) 15:22 "और जैसे आदम में सब मरते हैं, वैसा ही मसीह में सब जिलाए जाएंगे।"

जी हाँ! मृत्यु की स्थिति या नर्क नष्ट हो जाएगा जब राज्य के समय में सभी मरे हुए पुनरुत्थान पाएंगे या मरे हुआओं में से जी उठेंगे।

आइये, अब हम यूनानी के दूसरे शब्द को देखें जिसका अनुवाद नर्क (HELL) किया गया है।

2 तारतरु / तारतरुस (1 बार)

यह दूसरा यूनानी शब्द है जिसका अनुवाद 'नर्क' किया गया है और यह बाईबल में केवल एक ही बार दिखाई देता है। हम इसे



2 पतरस (2 Peter) 2:4 "क्योंकि जब परमेश्वर ने उन स्वर्गदूतों को जिन्होंने पाप किया नहीं छोड़ा, पर नरक में भेज कर अन्धेरे कुण्डों में डाल दिया, ताकि न्याय के दिन तक बन्दी रहें।"

वचन में पढ़ते हैं -

यहाँ हम देखते हैं कि यह मनुष्य को बिल्कुल भी नहीं दर्शाता है।



ये नर्क में स्वर्गदूत है!

अब इस स्वर्गदूतों के "नर्क" का क्या मतलब हो सकता है?

तेरा वचन सत्य है  तेरा वचन सत्य है  तेरा वचन सत्य है

For more studies on other subjects Contact: Christ Kingdom E-mail:

thekingdomgospel2874@gmail.com

E-mail: thekingdom1_6@yahoo.com

हमने पहले ही देख लिया है कि "शिओल" और "हैडिस" मृत्यु की स्थिति या कब्र को दर्शाते हैं। स्वर्गदूतों के लिए इस नर्क का क्या मतलब है?



हम देखते हैं कि "नर्क" के लिए यहाँ जिस यूनानी शब्द का प्रयोग हुआ है वह तारतरूस या तारतरु है और इसका मतलब है - **पृथ्वी का वातावरण!!**

इसकी पुष्टि

इफिसियों (Ephesians) 6:12 "क्योंकि हमारा यह मल्लयुद्ध, लोहू और मांस से नहीं, परन्तु प्रधानों से और अधिकारियों से, और इस संसार के अन्धकार के हाकिमों से, और उस दुष्टता की आत्मिक सेनाओं से है जो आकाश में हैं।"

वचन में की गयी है -

12... दुष्टता की आत्मिक सेनाओं से है जो आकाश में हैं।

अंग्रेजी बाईबल के KJV वर्शन में "आकाश" के लिए "high places" शब्द का प्रयोग किया गया है।

और NIV बाईबल में

"in the heavenly places" शब्द का प्रयोग किया गया है।

जी हाँ! यहाँ पर आकाश या "high places" या "heavenly places" पृथ्वी के वातावरण को दर्शाता है।

यही वह जगह है जहाँ इन स्वर्गदूतों को शैतान के साथ जिसने परमेश्वर के विरुद्ध विद्रोह किया था, रखा गया है।





यदि हमारी आँखें आत्मिक प्राणियों (spirit beings) या दूतों को देख सकती तो हम भी इन्हें पक्षियों की तरह आकाश में उड़ते हुए देख पाते!



अब 'अन्धरे कुण्डों में डाल दिया' शब्दों का क्या मतलब है?

'अन्धरे कुण्डों' के लिए अंग्रेजी बाईबल में "chains of darkness" शब्दों का प्रयोग किया गया है।

यहाँ पर "कुण्डों" (जंजीरों) और "अन्धरे" शब्दों का मतलब शाब्दिक नहीं है बल्कि इशारे वाली भाषा है क्योंकि हमने देखा कि ये "गिरे हुए स्वर्गदूत" पृथ्वी के वातावरण में हैं और पृथ्वी पर बारी-बारी से दिन और रात होती है और कोई स्थाई शाब्दिक अन्धरा नहीं है।

तेरा वचन सत्य है  तेरा वचन सत्य है  तेरा वचन सत्य है

For more studies on other subjects Contact: Christ Kingdom E-mail:

thekingdomgospel2874@gmail.com

E-mail: thekingdom1_6@yahoo.com



तो फिर इन चिन्हों का क्या मतलब है?



"जंजीरें" या "कुण्डों" शब्द प्रतिबन्ध का प्रतीक है।

इन स्वर्गदूतों को परमेश्वर के अन्तहीन ब्रह्माण्ड के भी स्वतन्त्रता से गतिविधि करने की अनुमति नहीं है जिसका वे पहले आनन्द ले रहे थे!!



अब इन स्वर्गदूतों के प्रतिबन्ध का स्थान क्या है? हम पढ़ते हैं --



"अन्धरे कुण्डों"

यहाँ 'अन्धरा' शब्द संसार की वर्तमान स्थिति को दर्शाता है, जैसा कि यशायाह (Isaiah) 60:2 "देख, पृथ्वी पर तो अन्धियारा और राज्य राज्य के लोगों पर घोर अन्धकार छाया हुआ है; परन्तु तेरे ऊपर यहोवा उदय होगा, और उसका तेज तुझ पर प्रगट होगा।"

वचन में बताया गया है --

जी हाँ! स्वर्गदूतों पर प्रतिबन्ध की जगह पृथ्वी है।

इसकी पुष्टि

इफिसियों (Ephesians) 2:2 "जिन में तुम पहिले इस संसार की रीति पर, और आकाश के अधिकार के हाकिम अर्थात् उस आत्मा के अनुसार चलते थे, जो अब भी आज्ञा न मानने वालों में कार्य करता है।"

वचन में होती है।

जी हाँ! पृथ्वी का वातावरण या "आकाश" स्वर्गदूतों का नर्क या कब्र है।





जैसे मनुष्यों के पास एक-एक स्थान में बहुत सारे कब्रिस्तान हैं, वैसे ही परमेश्वर ने स्वर्गदूतों के लिए एक ही कब्रिस्तान का प्रबन्ध किया है



उसका नाम है "पृथ्वी"।

अब हम तीसरे यूनानी शब्द को देखते हैं जिसका अनुवाद "नर्क" किया गया है -

3 गेहेना (12 बार)

तेरा वचन सत्य है  तेरा वचन सत्य है  तेरा वचन सत्य है

For more studies on other subjects Contact: Christ Kingdom E-mail:

thekingdomgospel2874@gmail.com



E-mail: thekingdom1_6@yahoo.com



यह यूनानी भाषा का तीसरा शब्द है जिसका अनुवाद नए नियम में "नर्क" किया गया है। आइये हम

मरकुस (Mark) 9:43-48 “यदि तेरा हाथ तुझे ठोकर खिलाए तो उसे काट डाल टुण्डा होकर जीवन में प्रवेश करना, तेरे लिये इस से भला है कि दो हाथ रहते हुए नरक के बीच उस आग में डाला जाए जो कभी बुझने की नहीं। जहां उन का कीड़ा नहीं मरता और आग नहीं बुझती। और यदि तेरा पांव तुझे ठोकर खिलाए तो उसे काट डाल। लंगड़ा होकर जीवन में प्रवेश करना तेरे लिये इस से भला है, कि दो पांव रहते हुए नरक में डाला जाए। और यदि तेरी आंख तुझे ठोकर खिलाए तो उसे निकाल डाल, काना होकर परमेश्वर के राज्य में प्रवेश करना तेरे लिये इस से भला है, कि दो आंख रहते हुए तू नरक में डाला जाए। जहां उन का कीड़ा नहीं मरता और आग नहीं बुझती।”

वचनों में पढ़ें -

तेरा वचन सत्य है  तेरा वचन सत्य है  तेरा वचन सत्य है

For more studies on other subjects Contact: Christ Kingdom E-mail:

thekingdomgospel2874@gmail.com

E-mail: thekingdom1_6@yahoo.com



क्या यह अंश शाब्दिक या साधारण भाषा है?



क्या किसी भी मसीही ने प्रभु के इन शब्दों का शाब्दिक रूप से पालन करके, उसके कहने के अनुसार किया है?



जैसा ये वचन कहता है क्या हम "अंधे" और "लँगड़े" मसीहियों को देखते हैं?



बिल्कुल नहीं!



फिर यीशु का उद्देश्य या मतलब क्या था?



यीशु यहाँ एक नर्क के बारे में बता रहे हैं, जिसका यूनानी शब्द -



गेहेन्ना है।

गेहेन्ना का अर्थ क्या है?

यह यहूदी भाषा में हिन्नोम की

तेरा वचन सत्य है  तेरा वचन सत्य है  तेरा वचन सत्य है

For more studies on other subjects Contact: Christ Kingdom E-mail:

thekingdomgospel2874@gmail.com

E-mail: thekingdom1_6@yahoo.com

→ **घाटी नामक एक स्थल है**, जो जेरुसलेम नगर से बाहर था।

हिन्नोम की घाटी पर क्या नर्क था?

आइये हम वचनों में पढ़ें -

यिर्मयाह (Jeremiah) 7:31 "और उन्होंने हिन्नोमवंशियों की तराई में तोपेत नाम ऊंचे स्थान बनाकर, अपने बेटे-बेटियों को आग में जलाया है; जिसकी आज्ञा मैं ने कभी नहीं दी और न मेरे मन में वह कभी आया।"

हाँ! इस्राएली दूसरे देवताओं की उपासना वहां किया करते थे और आग में बाल बलिदानों की भेंट चढ़ाते थे!

लेकिन बाद में उन्होंने पश्चाताप किया और उसी जगह को नगर के **कचरे का ढेर** बना दिया!!


यहाँ **कचरा** और **मृत मांस** (कुत्ता, चूहा, यहाँ तक की क्रूस पर चढ़ाये गए अपराधियों का शरीर भी) फेंका जाता था।

कचरा की मात्रा को नियंत्रित करने के लिए उसे समय-समय पर जलाया जाता था और यह सभी कचरे को राख में कम कर देता था।

मृत शरीर से कीड़े पैदा होते थे, जो बदले में मांस को खा जाते थे।



हाँ! यह पूर्ण विनाश का एक चित्र है!

 "जहाँ उनका कीड़ा नहीं मरता और आग नहीं बुझती" ⇨ ये पूर्ण विनाश का चिन्ह है,

→ जिन्हें कचरे को खपत करने वाली "आग"

→ और मृत मांस को खा जानेवाले "कीड़े" से दर्शाया गया है।

तो हम यहाँ देखते हैं कि, हमारे प्रभु यीशु पूर्ण विनाश वाले नर्क के बारे में बोल रहे हैं।

तेरा वचन सत्य है  तेरा वचन सत्य है  तेरा वचन सत्य है

For more studies on other subjects Contact: Christ Kingdom E-mail:

thekingdomgospel2874@gmail.com

E-mail: thekingdom1_6@yahoo.com

यह "नर्क" हैड्स और शीओल के "नर्क" के अर्थ से बहुत अलग है, क्योंकि उसका अर्थ तो "मृत्यु की स्थिति" या कब्र था।

यह "नर्क" पूर्ण विनाश को दर्शाता है और यीशु इन शब्दों को अपने चेलों को बता रहे थे।



वास्तव में उसका अर्थ क्या था?

हम इस बात को उन चिन्हों के अर्थ का अध्ययन करके समझ सकते हैं, जिसका उन्होंने उपयोग किया था।

आइये हम शुरू करें -

43 वचन से यदि तेरा हाथ तुझे ठोकर खिलाए तो उसे काट डाल



यहाँ "हाथ" के अर्थ का प्रसंग शाब्दिक नहीं बल्कि चिन्ह वाली भाषा में है।

"हाथ" क्या दर्शाता है?



यहाँ "हाथ" मित्रता का चिन्ह है।



यह एक आम बात है कि "अमेरिका ने रूस की और अपना हाथ बढ़ाया" जो मित्रता या दोस्ती के बन्धन को दर्शाता है...

यहाँ प्रभु उन "दोस्ती" के बन्धनों से चेतावनी देते हैं जो "हमें नुकसान पहुंचाए" -- जो हमें पाप करने और सांसारिकता की ओर खींचे और जो मसीही उन्नति में बाधा बने।

सच्चाई को प्राप्त करते समय, हमारे पास ऐसे बहुत सारी मित्रताएं होंगी, जिसे बनाये रखने से या बढ़ाने से, मसीही जैसा बनने में बहुत बाधा होगी।

तेरा वचन सत्य है  तेरा वचन सत्य है  तेरा वचन सत्य है

For more studies on other subjects Contact: Christ Kingdom E-mail:

thekingdomgospel2874@gmail.com

E-mail: thekingdom1_6@yahoo.com

वे लोग स्वाभाव और बातचीत में सांसारिक होंगे और यह कभी-कभी बचपन की दोस्ती भी हो सकती है!!

लेकिन इस दोस्ती को बनाये रखने का मतलब होगा "संसार की आत्मा" में बढ़ना और "पवित्र आत्मा" में घटना।

हाँ! प्रभु कहते हैं कि ऐसी सभी मित्रता को "काट" देना चाहिए!!!
फिर हम पढ़ते हैं -- 45 वें वचन में ⇨ "तेरा पांव तुझे ठोकर खिलाए तो उसे काट डाल।"

फिर से यहाँ "पाँव" एक चिन्ह है!!

यह क्या दर्शाता है?

यहाँ "पाँव" स्थानों या जगहों का चिन्ह है।

प्रभु इस तथ्य के विरुद्ध चेतावनी देते हैं -

"तेरा पांव तुझे ठोकर खिलाए" "जो उन स्थानों को दर्शाता है, जो मसीही उन्नति में एक बाधा है, जैसे कि - सिनेमा थिएटर, रेस कोर्स, जुआ की जगह, मधुशाला, मित्र पार्टियां, डिस्को आदि।



हाँ! यह सभी सांसारिक लोगों के लिए छूट और आनन्द के स्थान होंगे, लेकिन मसीही की "पवित्र आत्मा" की अशान्ति और विनाश का स्थान होंगे जो की मसीह की समानता में बढ़ने की खोज में हैं।

हाँ! प्रभु चेतावनी देते हैं कि हम इस सबको "काट डालें" यानि ऐसे स्थानों पर जाने को "काट दें" या रोक दें जो सांसारिकता को बढ़ाये और मसीह जैसे बनने की उन्नति में बाधा डाले।



फिर हम पढ़ते हैं 47 वें वचन में -

"यदि तेरी आंख तुझे ठोकर खिलाए तो उसे निकाल डाल"

यहाँ भी "आँख एक चिन्ह है!

यह क्या दर्शाता है?

"आँख" दृष्टि को दर्शाता है और यहाँ आँख दिखने वाली वस्तुओं को दर्शाता है!!
यहाँ प्रभु उन "दिखनेवाली वस्तुओं" के विरुद्ध चेतावनी देते हैं जो "तुम्हें नुकसान पहुंचाए", मतलब वह जो मसीह जैसा बनने की उन्नति में बाधा डाले ।

तेरा वचन सत्य है  तेरा वचन सत्य है  तेरा वचन सत्य है

For more studies on other subjects Contact: Christ Kingdom E-mail:

thekingdomgospel2874@gmail.com

E-mail: thekingdom1_6@yahoo.com

मसीह जैसा बनना एक मसीही के जीवन का लक्ष्य है -- जिसका हम अधिक विस्तार से अध्यन्न 17, 18 और 19 पाठ में करेंगे।

“दिखनेवाली इन वस्तुओं” में पत्रिकाएं, किताबें, फिल्म शामिल होती हैं और आज सबसे ज्यादा कई चैनलों और धारावाहिकों के साथ **टेलीविज़न!** till

यह सब केवल **बहुमूल्य समय की ही खपत** नहीं करता बल्कि हृदय में स्वार्थ की **सांसारिक आत्मा को भी प्रोत्साहित** करता है।



इन्हें अवश्य “निकाल देना” या आदत के रूप में **बंद** कर देना चाहिए।

हाँ! मसीहियों को मृत्यु और पाप से जीवन की ओर जिलाया गया है।

जैसा की हम

इफिसियों (Ephesians) 2:1 “और उस ने **तुम्हें भी जिलाया**, जो अपने अपराधों और पापों के कारण मरे हुए थे।”

वचन में पढ़ते हैं -


इस प्रकार इस **जीवन** की स्थिति से मसीही को एक बार फिर से पाप के तरीकों की ओर वापस **नहीं** जाना चाहिए वरना उसे फिर से **मरना** होगा - इस बार **दूसरी मृत्यु!**



हाँ! यहाँ **नरक** या **गेहेना** और “आग” और “कीड़े” का चिन्ह **दूसरी मृत्यु** के **विनाश** का एक चित्र है, जो **पहली मृत्यु** से भिन्न होगा

1 कुरिन्थियों (1 Corinthians) 15:22 “और जैसे आदम में सब मरते हैं, वैसा ही मसीह में सब जिलाए जाएंगे।”

जिससे कोई **छुटकारा नहीं** है।

“दूसरी मृत्यु” का यहाँ **नरक** या **मृत्यु** की स्थिति के रूप में अनुवाद किया गया है, लेकिन इसके लिए चिन्ह  **पूर्ण और नित्य विनाश** का है, जिसका चिन्ह “आग और कीड़े” हैं।

तेरा वचन सत्य है  तेरा वचन सत्य है  तेरा वचन सत्य है

For more studies on other subjects Contact: Christ Kingdom E-mail:

thekingdomgospel2874@gmail.com

E-mail: thekingdom1_6@yahoo.com



इस नरक या “गेहेना” के बारे में हम फिर से मत्ती (Matthew) 10:28 “जो शरीर को घात करते हैं, पर आत्मा को घात नहीं कर सकते, उन से मत डरना; पर उसी से डरो, जो आत्मा और शरीर दोनों को नरक में नाश कर सकता है।”

वचन में पढ़ते हैं

हाँ! यहाँ का विचार स्पष्ट रूप से “नरक (गेहेना) में विनाश” का है, ताड़ना में संरक्षण का नहीं!

शरीर और आत्मा (अस्तित्व या जीवन के अधिकार) को “परमेश्वर” के द्वारा पूरी तरह से नष्ट कर दिया जाएगा -- जो कि जीवन के दाता हैं।



सभी जान बूझकर दुष्ट रहनेवालों को इस तरह से नष्ट किया जाएगा, जैसा कि

प्रकाशितवाक्य (Revelation) 21:8 “पर डरपोकों, और अविश्वासियों, और घिनौनों, और हत्यारों, और व्यभिचारियों, और टोन्हों, और मूर्तिपूजकों, और सब झूठों का भाग उस झील में मिलेगा, जो आग और गन्धक से जलती रहती है: यह दूसरी मृत्यु है।”

वचन में देखा गया है।

हाँ! यह “दूसरी मौत” यह सूचित करता है कि ये पहले ही “पहली मृत्यु” मर चुके हैं और एक बार मरने के बाद उन्हें फिर से जीवन के लिए जिलाया गया था!



लेकिन चूँकि इन्होंने अपने आप को जान बुझकर पाप करने वाला और परमेश्वर का और धार्मिकता का विरोधी साबित किया, इसलिए वे “दूसरी मृत्यु” मरेंगे ।

इस वर्ग के बारे में हम

शायह (Isaiah) 26:10 “दुष्ट पर चाहे दया भी की जाए तौभी वह धर्म को न सीखेगा; धर्मराज्य में भी वह कुटिलता करेगा, और यहोवा को महात्म्य उसे सूझ न पड़ेगा।”

वचन में पढ़ते हैं -


इस प्रकार से पाप के लिए परमेश्वर का दण्ड हमेशा मृत्यु है। (रोमियों (Romans) 6:23)


तेरा वचन सत्य है  तेरा वचन सत्य है  तेरा वचन सत्य है


For more studies on other subjects Contact: Christ Kingdom E-mail:

thekingdomgospel2874@gmail.com

E-mail: thekingdom1_6@yahoo.com

 यह “मौत की स्थिति” ही बाईबल का नरक है --जिसमें पहली मौत के लिए पुनरुत्थान है लेकिन दूसरी मौत पूर्ण विनाश और जीवन का अन्त है।

 जिन्हें अभी भी इस विषय पर सन्देह है और यह महसूस करते हैं कि दुष्ट के लिए परमेश्वर का दण्ड -- नर्क की अनन्त पीड़ा ही है, आइये हम इसकी पुष्टि के लिए कुछ और वचन पढ़ें -

 भजन संहिता (Psalms) 37:9, 10 “क्योंकि कुकर्मों लोग काट डाले जाएंगे; और जो यहोवा की बाट जोहते हैं, वही पृथ्वी के अधिकारी होंगे। थोड़े दिन के बीतने पर दुष्ट रहेगा ही नहीं; और तू उसके स्थान को भली भाँति देखने पर भी उसको न पाएगा।”
और फिर उसी प्रकार से --

भजन संहिता (Psalms) 145:20 “यहोवा अपने सब प्रेमियों की तो रक्षा करता, परन्तु सब दुष्टों को सत्यानाश करता है॥”

वचन में पढ़ते हैं

अब फिर से एक और जगह में हम पढ़ते हैं वचन –



भजन संहिता (Psalms) 73:27 “जो तुझ से दूर रहते हैं वे तो नाश होंगे; जो कोई तेरे विरुद्ध व्यभिचार करता है, उसको तू विनाश करता है।”

हाँ! यह बहुत स्पष्ट है कि दुष्टों के लिए परमेश्वर का दण्ड विनाश है, ना की पीड़ा और यातना में संरक्षण करना!!

लेकिन कुछ लोग हैं जो दृढ़ता से कहते हैं कि बाईबल नर्क जैसी यातना और पीड़ा की जगह के बारे में सिखाता है।

वे उनके विश्वास को पवित्रशास्त्र के इस वचन के आधार पर रखते हैं -

प्रकाशितवाक्य (Revelation) 20:10 “और उन का भरमाने वाला शैतान आग और गन्धक की उस झील में, जिस में वह पशु और झूठा भविष्यद्वक्ता भी होगा, डाल दिया जाएगा, और वे रात दिन युगानुयुग पीड़ा में तड़पते रहेंगे॥”

तेरा वचन सत्य है  तेरा वचन सत्य है  तेरा वचन सत्य है

For more studies on other subjects Contact: Christ Kingdom E-mail:

thekingdomgospel2874@gmail.com

E-mail: thekingdom1_6@yahoo.com



यह एक गलत समझा गया वचन है जिसका “यातना / पीड़ा” के सिद्धान्त को साबित करने के लिए इस्तेमाल किया गया है!!

पर ध्यान दिजिये की यहाँ केवल एक पशु, एक झूठा भविष्यद्वक्ता और एक शैतान का चर्चा किया गया है!

यह मानवजाति को बिल्कुल सूचित नहीं करता है!



यह वचन क्या है और किसको सूचित करता है?

इस विषय के गहरे अर्थ का अध्ययन हम आनेवाले पाठों में करेंगे। आज हमारे इस पाठ को समाप्त करने से पहले नये नियम में कई स्थान पर आनेवाले एक वचन को देखेंगे, जिसे कई बार नर्क को सूचित करने जैसा समझा गया है।

आइये हम इसे

मत्ती (Matthew) 13:42 “और उन्हें आग के कुंड में डालेंगे, वहां रोना और दांत पीसना होगा।”

वचन में पढ़ें -

इस वचन को हम मत्ती (Matthew) 8:12/22:13/24:51/25:30 और लुका 13:28 में भी देखते हैं।



इस अंश का अर्थ क्या है और यह क्या सूचित करता है ?



पहले तो यह नर्क को सूचित नहीं करता है, यह वचन इशारे या चिन्ह वाली भाषा में है जिसका प्रतीकात्मक अर्थ है !!

आइये हम मत्ती (Matthew) 13:42 वचन का प्रतीकात्मक अर्थ देखें



आग के कुण्ड ⇨ यह न्याय का चिन्ह है जिसे हम

यशायाह (Isaiah) 66:15, 16 “क्योंकि देखो, यहोवा आग के साथ आएगा, और उसके रथ बवण्डर के समान होंगे, जिस से वह अपने क्रोध को जलजलाहट के साथ और अपनी चितौनी को भस्म करने वाली आग की लपट में प्रगट करे। क्योंकि यहोवा सब प्राणियों का न्याय आग से और अपनी तलवार से करेगा; और यहोवा के मारे हुए बहुत होंगे।”

तेरा वचन सत्य है  तेरा वचन सत्य है  तेरा वचन सत्य है

For more studies on other subjects Contact: Christ Kingdom E-mail:

thekingdomgospel2874@gmail.com

E-mail: thekingdom1_6@yahoo.com

वचनों में पढ़ते हैं -

हाँ यह "आग के कुण्ड" अंतिम न्याय का एक प्रतीकात्मक चिन्ह है। जो दूसरे युग के अंत में सारी दुष्ट व्यवस्था का विनाश करेगा और जो दुनिया को अंत तक लाएगा, जैसा कि हम

मलाकी (Malachi) 4:1 "क्योंकि देखो, वह धधकते भट्टे का सा दिन आता है, जब सब अभिमानी और सब दुराचारी लोग अनाज की खूटी बन जाएंगे; और उस आने वाले दिन में वे ऐसे भस्म हो जाएंगे कि उनका पता तक न रहेगा, सेनाओं के यहोवा का यही वचन है।"

वचन में पढ़ते हैं -

और फिर

2 पतरस (2 Peter) 3:10 "परन्तु प्रभु का दिन चोर की नाई आ जाएगा, उस दिन आकाश बड़ी हड़हड़ाहट के शब्द से जाता रहेगा, और तत्व बहुत ही तप्त होकर पिघल जाएंगे, और पृथ्वी और उस पर के काम जल जाएंगे।"

वचन में भी -





बाहरी अँधियारा ⇒ दुनिया में असत्य की स्थिति का एक चिन्ह है, जैसा कि हम

यशायाह (Isaiah) 60:2 "देख, पृथ्वी पर तो अन्धियारा और राज्य राज्य के लोगों पर घोर अन्धकार छाया हुआ है; परन्तु तेरे ऊपर यहोवा उदय होगा, और उसका तेज तुझ पर प्रगट होगा।"

वचन में पढ़ते हैं -



रोना और दांतों का पीसना ⇒ बहुत पश्चाताप का एक चिन्ह है, जैसा कि हम लूका (Luke) 13:28 "वहाँ रोना और दांत पीसना होगा: जब तुम इब्राहीम और इसहाक और याकूब और सब भविष्यद्वक्ताओं को परमेश्वर के राज्य में बैठे, और अपने आप को बाहर निकाले हुए देखोगे।"

तेरा वचन सत्य है  **तेरा वचन सत्य है**  **तेरा वचन सत्य है**

For more studies on other subjects Contact: Christ Kingdom E-mail:

thekingdomgospel2874@gmail.com

E-mail: thekingdom1_6@yahoo.com

वचन में पढ़ते हैं -

हाँ! यह न्याय और उसके प्रभाव का उल्लेखन है!!

➡ यहाँ यीशु यहूदी प्रधानों को बता रहे थे कि पृथ्वी पर आनेवाले राज्य में वे अब्राहम, इसहाक और याकूब को भविष्यद्वक्ताओं के साथ प्रमुखता में देखेंगे, जो तब उनका था; लेकिन राज्य में वे खुद अपने नेतृत्व के कार्यालय से बाहर ढकेले जाएँगे; जो उनमें बहुत पश्चाताप लाएगा!

अंततः नर्क के सत्य को समझते हुए भाइयों, क्या परमेश्वर का दण्ड न्यायोचित नहीं है?



अहा! हाँ! "पाप की मजदूरी तो मृत्यु है"

सचमुच में, हाँ! क्योंकि हम परमेश्वर के बारे में और पापियों के प्रति उनके मनोभाव के बारे में क्या पढ़ते हैं?

इस विषय को हम

यहेजकेल (Ezekiel) 33:11; 18:32

➡ "सो तू ने उन से यह कह, परमेश्वर यहोवा की यह वाणी है, मेरे जीवन की सौगन्ध, मैं दुष्ट के मरने से कुछ भी प्रसन्न नहीं होता, परन्तु इस से कि दुष्ट अपने मार्ग से फिर कर जीवित रहे; हे इस्राएल के घराने, तुम अपने अपने बुरे मार्ग से फिर जाओ; तुम क्यों मरो?"

➡ "क्योंकि, प्रभु यहोवा की यह वाणी है, जो मरे, उसके मरने से मैं प्रसन्न नहीं होता, इसलिये पश्चात्ताप करो, तभी तुम जीवित रहोगे।"

वचनों में पढ़ते हैं -



हाँ! परमेश्वर दुष्ट के मरने से प्रसन्न नहीं होते बल्कि उनके पछतावे की आशा करते हुए चाहते हैं कि वे जीवन और धार्मिकता की ओर मुड़ें।



इस प्रकार आज हम बाइबल से नर्क का सत्य जान चुके हैं!

तेरा वचन सत्य है  तेरा वचन सत्य है  तेरा वचन सत्य है

For more studies on other subjects Contact: Christ Kingdom E-mail:

thekingdomgospel2874@gmail.com

E-mail: thekingdom1_6@yahoo.com

अंत में प्रिय भाइयों, हम आपको यह सावधान करना चाहते हैं कि आप बाईबल में नर्क के न होने के विषय का प्रचार ना करें, बल्कि यह कहें कि बाईबल में नर्क की सच्चाई



...दूसरे धर्मों में सिखाये गए नर्क से,



...और खुद विशाल बहुमत ईसाईयों के बीच सिखाये गए नर्क से बहुत अलग

है!!

जी हाँ! सारी महिमा परमेश्वर को!

--आमीन--





तेरा वचन सत्य है  तेरा वचन सत्य है  तेरा वचन सत्य है

For more studies on other subjects Contact: Christ Kingdom E-mail:

thekingdomgospel2874@gmail.com



E-mail: thekingdom1_6@yahoo.com

तेरा वचन सत्य है  तेरा वचन सत्य है  तेरा वचन सत्य है

For more studies on other subjects Contact: Christ Kingdom E-mail:

thekingdomgospel2874@gmail.com

E-mail: thekingdom1_6@yahoo.com

तेरा वचन सत्य है  तेरा वचन सत्य है  तेरा वचन सत्य है

For more studies on other subjects Contact: Christ Kingdom E-mail:

thekingdomgospel2874@gmail.com

E-mail: thekingdom1_6@yahoo.com